हम भी हैं जोश में...

औरंगाबाद निवासी पीछे न रहें.....

महा मैराथन के लिए 'लोकमत' द्वारा उठाया गया ठोस कदम और आयोजन को लेकर की गई मेहनत के मद्देनजर यह कार्यक्रम औरंगाबाद की नई पहचान करवाएगा यह बात तो तय है. इस प्रतियोगिता का आयोजन औरंगाबाद और औरंगाबाद निवासियों के लिए किया जा रहा है. इसीलिए वह पीछे रहने के बजाय इसमें उत्साह के साथ हिस्सा लें. औरंगाबाद की महा मैराथन देश ही नहीं, बल्कि विश्व के नक्शे पर आ सकती है. मुझे विश्वास है कि 'लोकमत' के प्रयासों को औरंगाबाद निवासियों का सहयोग निश्चित रूप से मिलेगा.

-अध्यक्ष संदीप झा

शारीरिक क्षमता की कसौटी

मैराथन शारीरिक क्षमता की कसौटी परखने वाली प्रतियोगिता है. इसके माध्यम से आपके शरीर की ताकत का अनुमान लगाया जा सकता है. इसके लिए बड़ी मेहनत और लगन से तैयारी करने की जरूरत होती है. मैं स्वास्थ्य बरकरार रखने के 'सिंबॉल' के रूप में मैराथन को देखता हूं. इसके अलावा अपने दोस्तों के साथ कुछ खुशी के पल बिताने का अवसर भी मिल जाता है.

-डॉ उन्मेष टाकलकर (सिग्मा हॉस्पिटल)

औरंगाबाद के लोकमत भवन में औरंगाबाद मीडिया क्लब ग्रुप की ओर से (बाएं से खड़े) अनूप अग्रवाल, अमरजीत चौहान, अरविंद हौजवाला, बीएस राजपूत, राजू परदेशी, सुधीर कोर्टीकर, सुभाश शेलके, दीपक पवार, संतोष लेणेकर. (नीचे बैठे हुए बाएं से) कमलेश चौधरी, रमेश कोंदलकर, किशोर देसले, संदीप सोनार, नामदेव शिंदे, राजेंद्र होलीवाले, व्यंकटेश जोशी नितिन जोशी.

औरंगाबाद के लोकमत भवन में आकर्षण ग्रुप की ओर से (बाएं से) अमेर शेख, नसीब खान, गजनफर खान, वसीम खान, मोहम्मद मोईन, शुभम डोंगरे, शेख मुख्तार, निर्भय अग्रवाल, संदीप अग्रवाल, अन्विता अग्रवाल, लता अग्रवाल, आर्यन अग्रवाल, सीमा पितले, रितिका भोला.

औरंगाबाद के लोकमत भवन में शहर की नामचीन विज्ञापन एजेंसी ग्रुप की ओर से (बाएं से) बालासाहब शिंदे, मनोज पाटनी, गणेश देशमुख, मुकेश तिवारी, महावीर लुनिया, शेलके, संजय अधाने, नीलेश क्षत्रिय, पवन पहाड़े, संजय धीवर, राफे हाशमी, अजिंक्य उजलंबकर, मोहम्मद रहीम, मुकेश राजपूत.

वारदात • हर्सूल के मयूर पार्क में चोरी की अनोखी घटना, विदेशी दस्तावेज व रकम चोरी

बड़े गैरतमंद चोर थे वे, चोरी के बाद घर में लगा गए ताला

औरंगाबाद। 9 दिसंबर। लोस सेवा

ऐतिहासिक महानगर की किस्मत में अपराध के नाम पर रोज कुछ न कुछ देखना लिखा ही है. इस बीच कई अपराध ऐसे सवाल छोड़ जाते हैं, जो लंबे समय तक नहीं सुलझते. ऐसी ही एक घटना में घर में घुसे चोरों ने लाखों की चोरी की और बाइज्जत घर में ताला लगाकर चंपत हो गए.

अजीबोगरीब घटना के बारे में पुलिस ने बताया कि 38 वर्षीय अर्चना मोहनराव मेड़ेवार मयूर पार्क में रहती हैं. विगत शनिवार को वह अपनी बहन व परिवार समेत तिरुपति बालाजी के दर्शन करने गई थीं. गुरुवार तक वह उधर ही थीं. इधर उनके मकान के दरवाजे पर ताला लगा देखकर चोरों ने मौका पाकर ताला तोड़ा और अलमारी, सूटकेस, अन्य वस्तुएं, कपड़े अस्त-व्यस्त कर दिए. अलमारी के लॉकर

में रखे नकद 1 लाख रुपए और सोने चांदी के गहने, कुछ विदेशी रकम व महत्वपूर्ण दस्तावेज उड़ा लिए.

चोरी करने के बाद अन्य चोरों की तरह घर खुला छोड़ देने के बजाय अर्चना के घर की सुरक्षा का भी ध्यान रखा. टूटा हुआ ताला फिर से लगाना संभव नहीं था, जिससे चोरों ने घर में मिला दूसरा एक ताला बाहर से लगाया और फरार हो गए. शुक्रवार को जब अर्चना व परिवार घर लौटा और ताला खोलने का प्रयास किया, लेकिन नहीं खुलने पर समझ में आया कि यह वह ताला नहीं है जो हम लगा गए थे. परिवार ने ताला तोड़कर घर में प्रवेश किया तो फर्श पर पूरा सामान अस्त-व्यस्त पड़ा था और अलमारी व लॉकर भी खुला देखकर अर्चना घबरा गईं. उन्होंने लॉकर में झांका तो नकदी व गहने भी गायब थे. मामला समझ में आने पर उन्होंने कल दोपहर बाद हर्सूल पुलिस थाने में अज्ञात चोर के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई. महिला फौजदार सरला गाड़ेकर मामले की जांच कर रही हैं.

ऑक्सीजन की आवाज से हुआ विस्फोट का भ्रम

अफवाह से मची अफरा-तफरी, घाटी अस्पताल के बच्चा वार्ड की घटना

औरंगाबाद। 9 दिसंबर। लोस सेवा

घाटी में ऑक्सीजन सिलेंडर बदलते समय आई जोर की आवाज से लोगों को विस्फोट का भ्रम होने से अफरा-तफरी मच गई. स्थानीय शासकीय मेडिकल कॉलेज तथा हास्पिटल (घाटी) में बच्चों के 24-25 नंबर वार्ड में यह घटना शनिवार को दोपहर बारह बजे के दौरान हुई, जिससे लोग भागने लगे. जब तक हकीकत पता चल पाती, अच्छा खासा हंगामा हो गया था.

घाटी अस्पताल में छोटे बच्चों के उपचार के लिए 24 और 25 नंबर वार्ड हैं, जहां पर गंभीर बीमार बच्चों को कृत्रिम सांस के लिए वेंटिलेटर लगाया जाता है. वार्ड 24 में आज दोपहर लगभग 12 बजे एक मासूम को जो वेंटिलेटर लगाया गया, उस सिलेंडर की ऑक्सीजन खत्म हो गई थी. दूसरा सिलेंडर लगाते समय अचानक हवा के दबाव से कुछ ज्यादा ही आवाज निकली. एक मरीज के रिश्तेदार को शायद इसकी जानकारी नहीं थी. सिलेंडर बदलते समय जैसे ही उसने जोर की आवाज सुनी, तो विस्फोट की बात सोचकर

बच्चों को उठाकर बाहर की ओर भाग गया. विस्फोट की अफवाह से वार्ड में बैठे लोग भी अपने-अपने बच्चों को पलंग से उठाकर व शोर मचाते हुए वार्ड से बाहर भागने लगे, जिससे कुछ देर के अफरा-तफरी मच गई. क्या हुआ, यह कुछ देर तक किसी को समझ में नहीं आया. जब डॉक्टर व सुरक्षा रक्षक वार्ड में पहुंचे तब पता चला कि विस्फोट नहीं बल्कि सिलेंडर की ऑक्सीजन के प्रेशर की आवाज थी, जो बदलते समय हमेशा आती है. लेकिन इस बार कुछ ज्यादा ही तेज आवाज सुनाई दी.

चिकित्सा अधीक्षक डॉ भारत सोनवणे, डॉ राहुल पांढरे, डॉ अनिल पुंगले आदि ने मरीजों के रिश्तेदारों को समझाया, तब जाकर वह वार्ड में फिर से अपने बच्चों को लेकर पहुंचे और पूर्ववत् उपचार शुरू हुआ.

घाटी अस्पताल के मेडिसीन विभाग में वेंटिलेटर के लिए सेंट्रल ऑक्सीजन सिस्टम है, जहां से एक टैंक से अतिदक्षता व आईसीसीयू, 'एमआईसीयू' को ऑक्सीजन की आपूर्ति की जाती है. सर्जिकल इमारत स्थित ऑपरेशन थिएटर में भी ऑक्सीजन की आपूर्ति के लिए एक टैंक है, इन दोनों टैंक में लिक्विड ऑक्सीजन की सप्लाई की जाती है और वहां से छोटे पाइप से मरीजों को बेड तक ऑक्सीजन की आपूर्ति की जाती है, लेकिन जहां पाइप लाइन नहीं हैं, वहां पर जम्बो सिलेंडर लगाकर पाइप से जरिए ऑक्सीजन दी जाती है. इस कारण कर्मचारियों को बार-बार सिलेंडर बदलने का काम करना पड़ता है, जिससे कई बार प्रेशर के कारण जोरदार आवाज होती है. अगर सीधे लिक्विड ऑक्सीजन से टैंक से आपूर्ति होती है तो ऐसी घटनाएं नहीं होंगी और बार-बार सिलेंडर बदलने की झंझट ही नहीं रहेगी, ऐसा कर्मचारियों का कहना है.

'तामीर-ए-मुआशरा' पर कार्यक्रम आज

औरंगाबाद. स्थानीय कुरान हाउस की ओर से आज से जारी 'तामीर-ए-मुआशरा' कॉन्फ्रेंस के तहत कल, 10 दिसंबर को सुबह दस बजे स्थानीय निराला बाजार स्थित तापड़िया नाट्यमंदिर में कार्यक्रम का आयोजन किया गया है. इस अवसर पर जाने-माने मनोविकार विशेषज्ञ डॉ अब्दुल अजीज अहमद कादरी की अध्यक्षता में होने वाले कार्यक्रम में उत्तरप्रदेश के रामपुर निवासी और जाने-माने इस्लामी विद्वान हजरत अल्लामा सैयद अब्दुल्लाह तारीक मानव समाज के नैतिक उत्थान पर मार्गदर्शन करेंगे. सेवानिवृत्त मुख्य आय कर अधिकारी अकरम जब्बार खान, न्यायमूर्ति डीआर शेलके, 'जमात-ए-इस्लामी हिंद' के अब्दुल वाजिद कादरी आदि मार्गदर्शन करेंगे. अतिथि के रूप में डॉ अब्दुल हुसैन फजले अब्बास, डॉ मकदूम फारुकी, मंजूर खान, अब्दुल्लाह मारकोनी उपस्थित होंगे.

उत्तरपुस्तिका जांच कार्य में सहयोग की अपील

औरंगाबाद। 9 दिसंबर। लोस सेवा

डॉ बाबासाहब आंबेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय की ओर से अक्तूबर-नवंबर 2017 में आयोजित शीतकालीन परीक्षा में कई सारे पाठ्यक्रम व संकाय की परीक्षाएं खत्म हो चुकी हैं. अब उत्तरपुस्तिका जांच कार्य में संबध्दता वाले कॉलेज के प्रोफेसरों से आकर सहयोग करने की अपील विवि के परीक्षा व मूल्यांकन मंडल कार्यालय ने की है.

सूत्रों ने बताया कि महाराष्ट्र सार्वजनिक विश्वविद्यालय कानून 2016 के प्रावधान के अनुसार सभी परीक्षाओं के परिणाम 30 दिनों के भीतर घोषित करना आवश्यक है. इससे विवि के परीक्षा व मूल्यांकन मंडल ने जिन संकाय व पाठ्यक्रम की परीक्षा खत्म हो चुकी है, अब उनकी उत्तरपुस्तिका जांच का कार्य हाथ में लिया है. 11 दिसंबर से पूर्णकालिक रुप से एक सप्ताह तक संबध्दता वाले कॉलेज के शिक्षकों को भेजने की अपील विवि के परीक्षा व मूल्यांकन विभाग ने सभी प्राचार्यों से की है. महाराष्ट्र राज्य में तयशुदा समय में परीक्षा परिणाम घोषित करने में डॉ बाबासाहब आंबेडकर मराठवाड़ा विवि पहले पांच विवि में शामिल हैं. गौरतलब है 10 नवंबर से ही विवि की स्नातक परीक्षाएं पहले चरण में हुईं. दूसरे चरण में प्रोफेशनल पाठ्यक्रम की परीक्षाएं आयोजित की गईं थीं.

फर्जी कागजात दिखाकर घर बेचा

शहागंज की घटना में 21 लाख का लगाया चूना, सिटी चौक में मामला दर्ज

औरंगाबाद। 9 दिसंबर। लोस सेवा

घर के नोटरी वाले दस्तावेज दिखाकर दो लोगों ने एक व्यापारी को 21 लाख रुपए का चूना लगा दिया. शहागंज परिसर में घटी इस घटना के संबंध में सिटी चौक पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया है.

यूनुस कॉलोनी रोशनगेट परिसर निवासी अली अब्दुल समद बावजीर ने पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई है कि उन्होंने फरवरी माह में बिसमिल्ला कॉलोनी निवासी शेख हनीफ शेख चुन्नू से निजामुद्दीन दरगाह रोड शहागंज, बुक्कलगुड़ा में 55 चौरस मीटर (वर्ग मीटर) का चार कमरों का एक मकान खरीदा था. उसकी चर्तुसीमा दिखाने के बाद अली को नोटरीकृत खरीदीखत /करारनामा करा दिया. गवाह अजगर हुसैन जाफर हुसैन (आलमगीर कॉलोनी), रिजवान खान अकबर खान (नेहरुनगर कटकटगेट) और शेख समी शेख इलाहीबख्श के समक्ष 21 लाख रुपए में सौदा होने पर नोटरी कर पैसों का भी लेन-देन हुआ था.

इस बीच, 7 दिसंबर की शाम अली मकान पर कब्जा लेने पहुंचे तो उन्हें पता चला कि उनके साथ धोखा किया गया है. उनके साथ शेख हनीफ और राजेश रंगास्वामी गालिया (शहागंज) ने विश्वासघात किया है और उनसे 21 लाख रुपए लिये हैं. उनकी शिकायत के आधार पर सिटी चौक पुलिस ने राजेश और अली अब्दुल के खिलाफ मामला दर्ज किया है. पुलिस जमादार इलग इस मामले की जांच कर रहे हैं.

जमावबंदी का मामला दर्ज

क्रांति चौक थाने के जमादार कचरु निकम ने पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई है कि बालासाहब आसाराम गायकवाड़ (देवलाई), राजू शामराव गायकवाड़ (सिल्लोड़), सोमान वाड़े और अन्य 6 लोगों ने पुलिस की शर्तों, इजाजत व जमावबंदी का कल दोपहर दो बजे क्रांति चौक उड़ानपुल के नीचे उल्लंघन किया. इसलिए उनके खिलाफ 135 मुंबई पुलिस एक्ट के तहत कार्रवाई किए जाने की शिकायत लिखाई है. जमादार गूजर इसकी जांच कर रहे हैं.

अपराध • युवती का गला चीरा, मिसारवाड़ी परिसर की घटना

जानवरों की आवारगी से दो परिवारों में सिर-फुटौव्वल

औरंगाबाद। 9 दिसंबर। लोस सेवा

जानवरों को आवारा छोड़ने के विवाद में दो परिवारों के बीच जमकर सिर-फुटौव्वल हुई. इस घटना में एक युवती का गला चीर दिया गया, जबकि उसकी मां को भी चोट आई है.

पुलिस ने बताया कि साईंनगर मिसारवाड़ी निवासी 20 वर्षीय सुमन उर्फ सोनी यशवंत वाघमारे का दोपहर के समय गली में ही रहने वाले शेख जावेद, शेख तौफीक और एक महिला से झगड़ा हुआ था. इस

घर में घुसकर महिला को मारा

औरंगाबाद. एक महिला के घर में घुसकर महिला के साथ मारपीट कर विनयभंग करने की घटना चौधरी कॉलोनी चिकलथाना में घटी. यहां की एक 20 वर्षीय महिला के भाई के साथ आरोपी मनोज कांबले, किशोर कांबले, उसके बहनोई ने मारपीट ने की थी. इसलिए महिला पुलिस थाने में शिकायत लिखाने गई थी. इसी कारण को लेकर आरोपी मनोज कांबले कल रात नौ बजे महिला के घर में घुसा और उसकी चुनरी खीचकर विनयभंग किया. महिला के शोर मचाने पर आरोपी भाग गया. इस बारे में एमआईडीसी सिडको पुलिस ने कांबले बंधुओं और उनके बहनोई के खिलाफ मामला दर्ज किया है.

झगड़े का कारण पूछने के लिए सुमन अपनी बहन व मां के साथ रात आठ बजे आरोपी के पास गई थी. आरोपियों ने उनके साथ यह कहकर गालीगलौज की कि वह 'बकरियां खुली क्यों छोड़ती है. बकरियां घर में घुसकर नुकसान करती हैं. जब दोनों पक्षों में झगड़ा बढ़ गया तो आरोपी जावेद ने शीशे का टुकड़ा उठाकर सुमन के गले पर वार कर दिया, जिसमें वह गंभीर रूप से जख्मी हो गई. इसके बाद आरोपियों ने उनको जान से मारने की धमकी भी दी. इस बारे में सिडको पुलिस में मामला दर्ज किया गया है.